भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3261
बुधवार, 23 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

आपदा प्रवण जिले

3261. एडवोकेट डीन कुरियाकोस:

क्या पृथ्वी विज्ञानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास उन सेवाओं का ब्यौरा है जिन्हें आपदाप्रवण क्षेत्रों में कोई मौसम विज्ञानी जिला प्रशासन को प्रदान कर सकता है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का देश में आपदाप्रवण ज़िलों के लिए पर्याप्त समर्थनकारी अवसंरचना के साथ एक मौसम विज्ञानी को नियुक्त करने का विचार है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार का इडुक्की जैसे अत्यधिक भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में जिला प्रशासन की सहायता के लिए मौसम विज्ञानी/भूविज्ञानी नियुक्त करने का भी विचार है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)–(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पास पूर्वानुमान सेवाओं का त्रिस्तरीय ढ़ांचा है जिसमें नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र,नई दिल्ली, मुंबई, नागपुर, कोलकाता, गुवाहाटी और चेन्नई में स्थित छह प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्रों में प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र तथा राज्य की राजधानियों में स्थित राज्य मौसम विज्ञान केंद्रों में राज्य मौसम पूर्वानुमान केंद्र शामिल हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग एक प्रभावी पूर्वानुमान रणनीति का अनुसरण करता है। जारी किए गए दीर्घावधि पूर्वानुमान (पूरी ऋतु के लिए) के बाद प्रत्येक गुरुवार को विस्तारित अवधि पूर्वानुमान जारी किए जाते हें जो चार सप्ताह की अवधि के लिए मान्य होते हैं। विस्तारित अवधि पूर्वानुमान के बाद,भारत मौसम विज्ञान विभाग बाद के दो दिनों की संभावना सहित अगले पांच दिनों के लिए मान्य लघु से मध्यम अवधि के पूर्वानुमान और चेतावनियां रोजाना जारी करता है।जिला और स्टेशन स्तर पर लघु से मध्यम अवधि के पूर्वानुमान और चेतावनी राज्य स्तरीय मौसम विज्ञान केंद्रों/क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्रों द्वारा जारी की जाती है जो अगले पांच दिनों के लिए मान्य है तथा इन्हें एक दिन में दो बार अपडेट किया जाता है। लघु से मध्यम अवधि के पूर्वानुमान के बाद, सभी जिलों तथा 1089 शहरों और कस्बों के लिए तीन घंटे (तत्काल पूर्वानुमान) तक प्रतिकूल मौसम की बहुत कम अवधि का पूर्वानुमान जारी किया जाता है। इन तत्काल पूर्वानुमानों को प्रत्येक तीन घंटे में अपडेट किया जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने प्रभाव आधारित पूर्वानुमान लागू किए हैं जो 'मौसम कैसा रहेगा' के साथ-साथ 'मौसम का क्या प्रभाव होगा' का विवरण देता है। इसमें प्रतिकूल मौसम तत्वों से अपेक्षित प्रभावों का विवरण और प्रतिकूल मौसम के संपर्क में आने पर 'क्या करें और क्या न करें' के बारे में आम जनता के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं। इन दिशानिर्देशों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से अंतिम रूप दिया जाता है और चक्रवात, लू, गर्ज के तूफान और भारी वर्षा के लिए इन्हें पहले ही सफलतापूर्वक लागू किया है। अन्य प्रतिकूल मौसम घटनाओं के लिए इसे लागू करने का कार्य प्रगति पर है।

चेतावनी जारी करते समय, संभावित प्रतिकूल मौसम के प्रभाव को सामने लाने तथा आपदा प्रबंधन को आसन्न आपदा मौसम घटना के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में संकेत देने के लिए उपयुक्त कलर कोड का उपयोग किया जाता है। हरा रंग किसी चेतावनी का संकेतक नहीं है इसलिए किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है, पीला रंग सतर्क रहने और अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए संकेत है, नारंगी रंग सतर्क रहने और कार्रवाई करने के लिए तैयार रहने के लिए है जबकि लाल रंग कार्रवाई करने के लिए संकेत देता है।

पांच दिनों के लिए जिला स्तरीय पूर्वानुमान एवं चेतावनी तथा सभी जिलों के लिए हर तीन घंटे में तत्काल पूर्वानुमान एक मौसम वैज्ञानिक द्वारा जारी किया जाते है। इसके अतिरिक्त,

- राज्य मौसम विज्ञान केंद्रों से जिला प्रशासन को नियमित आधार पर स्थान विशिष्ट तत्काल पूर्वानुमान, शहर का पूर्वानुमान, वर्तमान मौसम प्रेक्षणन और दैनिक वर्षा डेटा प्रदान किया जा रहा है।
- मौसम वैज्ञानिक आपदा प्रबंधकों को संभावित आपदापूर्ण मौसम की घटनाओं, इसके पूर्वानुमान/चेतावनी, संभावित क्षति और इस संबंध में कार्रवाई के सुझाव देता है तथा आपदा प्रबंधकों के साथ समन्वय भी करता है।
- मौसम वैज्ञानिक किसी भी मौसम विज्ञान संबंधी आपदाओं के लिए तैयारियों, रोकथाम और शमन उपायों के लिए पिछले ऐतिहासिक डेटा प्रदान करने और इसकी व्याख्या करने में भी मदद करता है।
- मौसम वैज्ञानिक आपदा प्रबंधन के लिए राज्य में विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा संचालित विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।
- मौसम वैज्ञानिक राज्य सरकार और अन्य प्राधिकरणों की आवश्यकतानुसार किसानों सहित विभिन्न हितधारकों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेता है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ड.) –(च) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को देश में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के संबंध में मानचित्रण, सर्वेक्षण और शमन योजनाओं का प्रस्ताव करने के लिए अधिदेश है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन तिरुवनंतपुरम में स्थित राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केन्द्र, पृथ्वी विज्ञान के लिए एक बुनियादी अनुसंधान एवं विकास संस्थान है जो किन्हीं विशिष्ट हित स्थलों के संबंध जांच उपकरणों (जैसे एसएआर इंटरफेरोमेट्री, मिट्टी की नमी, छिद्र दबाव) के अनुप्रयोग, विफलताओं की प्रक्रिया (मलबे के प्रवाह, मिट्टी खिसकने, चट्टान गिरने आदि के संबंध में व्यक्तिगत अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। इन कार्यक्रमों का विस्तार पूरे जिले या विभिन्न प्राकृतिक खतरों तक नहीं हैं।

*****